Prepp
Your Personal Exams Guide

2022
Philosophy
दर्शन शास्त्र

Time: 3 hours
समय: 3 घंटे

Maximum Marks: 200
अधिकतम अंक: 200

Question paper specific instructions
प्रश्न प्रत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

i. This paper is divided into two Sections, Section-A and Section-B.
ये प्रश्नपत्र दो खंडों में विभाजित है, खंड. A और खंड. B

ii. Each Section contains four (4) questions.
प्रत्येक खंड में चार प्रश्न है।

iii. Candidate has to attempt five questions in all.
परीक्षार्थी को पांच प्रश्नों का उत्तर लिखना है।

iv. Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, **THREE** questions are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य है और शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर लिखना है, प्रत्येक खंड से एक प्रश्न को हल करना है।

v. Word limit in questions, where specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

vi. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

vii. Questions are printed in English & Hindi languages. In case of any ambiguity in translation of any question, English version shall be treated as final.
प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में छपा है। प्रश्नों के अनुवाद में किसी अस्पष्टता की स्थिति में, अंग्रेजी ससंकरण को ही अन्तिम माना जाएगा।

Prepp Your Personal Exam Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION A (खंड A)

Q 1 : Write answers of the following questions in about 150 words each..

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 150 शब्दों में लिखिए।

1(a) Explain the difference between phenomenological reduction and eidetic reduction as propounded by Husserl. **(8)**

हुसरल द्वारा प्रतिपादित संवृतिशास्त्रीय अपचय तथा प्रतिमालंबन (ईडेटिक) अपचय के बीच अंतर स्पष्ट करें।

1(b) Critically discuss Kierkegaard's conception of 'subjective truth' along with his notion of 'leap of faith'. Bring out the interconnection of these two ideas in his existentialist philosophy. **(8)**

कीर्केगार्द की 'व्यक्तिपरक सत्य' की अवधारणा के साथ 'विश्वास की छलांग' की उनकी धारणा पर आलोचनात्मक विवेचना कीजिये। उनके अस्तित्ववादी दर्शन में इन दोनों विचारों के अंतर्संबंध को उजागर करें।

1(c) Do you think that Cārvākas are positivists and pragmatists in their philosophical approach? Give reasons and justification for your answer. **(8)**

क्या आप सोचतें है कि चार्वाक अपने दार्शनिक दृष्टिकोण में प्रत्यक्षवादी और व्यावहारिकतावादी हैं? अपने उत्तर के लिए तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये।

1(d) How is Spinoza's theory of parallelism different from Descartes mind-body dualism? **(8)**

स्पिनोज़ा का समानांतरतावाद का सिद्धांत देकार्त के मनस-शरीर द्वैतवाद से किस प्रकार भिन्न है?

1(e) "The relation between cause and effect is one of constant conjunction" – Explain Hume's theory of causation following this statement. **(8)**

"कारण और प्रभाव के बीच का संबंध निरंतर संयोजन का है" - इस कथन के संदर्भ में ह्यूम के कार्य-कारण सिद्धांत की व्याख्या कीजिये।

Q 2 : Write answers of the following questions.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

2(a) 'If Brahman is One other than none, then there can be no conceivable principle to distort it.' In the light of this statement present a critique of ontological issues involved in Śaṅkara's notion of māyā. **(10)**

'यदि ब्रह्म एकमेव अद्वित्य है, तो उसे विकृत करने वाला कोई कल्पनीय सिद्धांत नहीं हो सकता है।'
इस कथन के आलोक में शंकर की माया की धारणा में सम्मलित सत्तामूलक समस्याओं की समालोचना प्रस्तुत करें।

Prepp
Your Personal Exams Guide

2(b) Does Buddhist theory of momentariness, dependent origination and no-self render their notion of liberation infructuous? Give reasons and justification for your answer. **(15)**

क्या क्षणभंगुरता, प्रतीत्य समुत्पाद और अनात्मा का बौद्ध सिद्धांत उनकी मुक्ति की धारणा को निष्फल करता है? अपने उत्तर के लिए तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये।

2(c) Discuss the views propounded by Nyāya and Prabhākara Mīmāṁsā schools of classical Indian philosophy with regard to establishing the validity (*pramāṇyatā*) of knowledge. Which one of them do you find logically more consistent? Give reasons and justifications for your answer. **(15)**

ज्ञान की वैधता (प्रामाण्यता) स्थापित करने के संबंध में शास्त्रीय भारतीय दर्शन के न्याय और प्रभाकर मीमांसा मतों द्वारा प्रतिपादित विचारों की विवेचना करें। आप उनमें से किसको तार्किक रूप से अधिक सुसंगत पाते हैं? अपने उत्तर के लिए तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये ।

Q 3: Write answers of the following questions.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

3(a) How is Śaṅkara's absolutism different from Hegel's absolutism? Give reason and justification in support of your answer. **(10)**

शंकर का निरपेक्षवाद हेगेल के निरपेक्षवाद से किस प्रकार भिन्न है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये ।

3(b) "Bad faith involves discarding one's real nature as for-itself to adopt that of the in-itself." In the light of above statement, explain how Sartre's notions of for-itself and in-itself bear upon his notion of Bad faith. **(15)**

"दुरास्था में स्वयं के वास्तविक स्वभाव को स्वयं-के-लिए (फॉर इट्सेल्फ) के रूप में त्यागकर स्वयं-स्थित (इन-इट्सेल्फ) के रूप में अपनाना सम्मलित है।" उपरोक्त कथन के आलोक में, स्पष्ट करें कि सार्त्र की स्वयं-के-लिए और स्वयं-स्थित धारणाएँ उनकी दुरास्था की धारणा को कैसे प्रभावित करती हैं।

3(c) Show how Russell's theory of logical atomism revolve around three interworking parts of the atomic fact, the atomic proposition and the atomic complex. **(15)**

दर्शाएँ कि किस तरह रसेल का तार्किक परमाणुवाद का सिद्धांत परमाणु तथ्य, परमाणु प्रतिज्ञप्ति तथा परमाणु समूह के तीन परस्पर क्रियाशील भागों के इर्द-गिर्द घूमता है।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Q 4: Write answers of the following questions.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

4(a) Discuss, following Quine, why he denies the analytic-synthetic distinction and marks it as a dogma of the empiricist tradition? **(10)**

क्वाइन का अनुसरण करते हुए व्याख्या करें कि वे क्यों विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक भेद को नकारते हैं और इसे अनुभववादी परंपरा की हठधर्मिता के रूप में चिह्नित करते हैं?

4(b) Following Aristotle, explain the relationship between actuality and potentiality. **(15)**

अरस्तू का अनुसरण करते हुए वास्तविकता और संभाव्यता के बीच संबंध की व्याख्या कीजिये।

4(c) How does Wittgenstein propose that 'language is a game' with the help of family resemblance? Critically discuss. **(15)**

पारिवारिक समानता की सहायता से विट्गेन्स्टाइन किस प्रकार यह प्रस्तावित करते हैं कि 'भाषा एक खेल है'? समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

SECTION B (खंड B)

Q 5: Write answers of the following questions in about 150 words each.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक 150 शब्दों में लिखिए।

5(a) Compare and contrast Hobbes' notion of liberty with that of Locke's conception of liberty. **(8)**

हॉब्स की स्वतंत्रता की अवधारणा की तुलना एवं भेद लॉक की स्वतन्त्रता की अवधारणा से करें।

5(b) Explain the difference between Śaṅkara's and Rāmānuja's conception of Iśvara. **(8)**

शंकर और रामानुज की ईश्वर की अवधारणा के बीच अंतर स्पष्ट करें।

5(c) Is the problem of Evil in philosophy of religion anyway related with the problem of freewill? Critically discuss. **(8)**

क्या धर्म-दर्शन में अशुभ की समस्या किसी भी तरह इच्छा-स्वतांत्र्य की समस्या से संबंधित है? आलोचनात्मक विवेचना करें.

5(d) Present a critical account of Aquinas views on relation between reason and revelation. **(8)**

तर्क तथा इलहाम/श्रुति के बीच संबंध पर एक्विनास के विचारों का एक समालोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।

5(e) Discuss Jaina view of *Syādavāda* as a doctrine supportive of religious pluralism. **(8)**

धार्मिक बहुलवाद के समर्थक सिद्धांत के रूप में जैनों के स्यादवाद के मत की विवेचना करें।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Q 6: **Write answers of the following questions.**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

6(a) "Development does not always lead to human growth. Ethics of development depends upon which aspects of life it values or excludes." In the light of the above statement draw out the central issues and concerns that form the subject matter of the study of ethics of development. **(10)**

"विकास से हमेशा मानव विकास नहीं होता है। विकास की नैतिकता इस बात पर निर्भर करती है कि वह जीवन के किन पहलुओं को महत्व देती है या किन पहलुओं को बाहर रखती है।" उपरोक्त कथन के आलोक में उन केंद्रीय मुद्दों और चिंताओं को उजागर करें जो विकास की नैतिकता के अध्ययन का विषय हैं।

6(b) "The fundamental point as to whether *varṇa* refers to the contemporary socio-economic differentiations associated with practices of caste or to the idealized prototype of mutually interacting and interdependent groups of people was at the conceptual heart of the Gandhi–Ambedkar debates over caste." Critically discuss. **(15)**

"यह मूल बिंदु कि क्या वर्ण जाति की प्रथाओं से जुड़े समकालीन सामाजिक-आर्थिक भेदभावों को संदर्भित करता है या लोगों के परस्पर संपर्क और अन्योन्याश्रित समूहों के आदर्शीकृत मूलरूप (प्रोटोटाइप) को संदर्भित करता है, जाति पर गांधी-अंबेडकर के बीच विवाद के वैचारिक केंद्र में था।" समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

6(c) "Rather than embracing the traditional liberal image of the melting pot into which people of different cultures are assimilated into a unified national culture, multiculturalism generally holds the image of a tossed salad to be more appropriate." In the light of the above statement write an essay on central tenets of Multiculturism. **(15)**

"ऐसे पिघालने वाले बर्तन की पारंपरिक उदारवादी छवि, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों के लोगों को एक एकीकृत राष्ट्रीय संस्कृति में समाहित किया जाता है को अपनाने के बजाय, बहुसंस्कृतिवाद आम तौर पर उछाले हुए सलाद की छवि को अधिक उपयुक्त मानता है।" उपरोक्त कथन के आलोक में बहुसंस्कृतिवाद के केंद्रीय सिद्धांतों पर एक निबंध लिखें।

Q 7 : **Write answers of the following questions.**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

7(a) "Laws do not simply restrict liberty; they rather create it." Do you agree with this statement? Give reasons and justifications for your answer. **(10)**

"कानून केवल स्वतंत्रता को प्रतिबंधित नहीं करते हैं; बल्कि वे इसका निर्माण करते हैं।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के लिए तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये।

Prepp
Your Personal Exams Guide

7(b) "A collectivity without a sovereign ruling over them is not necessarily a state of anarchy." Comment on anarchism as a political ideology in the light of this statement. **(15)**

"संप्रभु-शासन विहीन सामूहिकता अनिवार्य रूप से अराजकता की स्थिति नहीं है।" इस कथन के आलोक में एक राजनीतिक विचारधारा के रूप में अराजकतावाद पर टिप्पणी करें।

7(c) "For Rousseau the state is a moral person whose life is the union of its members, whose laws are acts of the general will, and whose end is the liberty and equality of its citizens." Present a brief comment on Rousseau's views on liberty, equality and justice in the light of above statement. **(15)**

"रूसो के लिए राज्य एक नैतिक व्यक्ति है जिसका जीवन उसके सदस्यों का संघ है, जिसके कानून सर्वविवेकसम्मत सम्पन्न कृत्य हैं, और जिसका उद्देश्य उसके नागरिकों की स्वतंत्रता और समानता है।" उपरोक्त कथन के आलोक में स्वतंत्रता, समानता और न्याय पर रूसो के विचारों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत करें।

Q 8 : Write answers of the following questions.

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

8(a) "Religious plurality may be a description of a fact while religious pluralism in addition refers to an ethical and social value based on mutual acceptance of mutual differences." Critically discuss the idea of religious pluralism in the light of above statement. **(10)**

"धार्मिक बहुलता एक तथ्य का विवरण हो सकती है जबकि धार्मिक बहुलवाद आपसी मतभेदों की पारस्परिक स्वीकृति के आधार पर एक नैतिक और सामाजिक मूल्य को संदर्भित करता है।" उपरोक्त कथन के आलोक में धार्मिक बहुलवाद के विचार की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

8(b) Could ethical appropriateness of an action be judged completely and totally on the basis scriptural authority? Critically discuss in the light of relation between ethics and religion. **(15)**

क्या किसी कार्य की नैतिक उपयुक्तता का आंकलन पूरी तरह से शास्त्रीय प्राधिकारिता के आधार पर किया जा सकता है? नीति एवं धर्म के बीच सम्बन्ध के आलोक में समालोचनात्मक विवेचन कीजिये।

8(c) Do you agree with the view that non-cognitivist approach to the study of nature of religious language cuts religious belief off from reason too severely? Give reasons and justifications for your answer.

क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि धार्मिक भाषा की प्रकृति के अध्ययन के लिए गैर-संज्ञानात्मक दृष्टिकोण धार्मिक विश्वास को तर्क से बहुत गंभीर रूप से असंलग्न कर देता है? अपने उत्तर के लिए तर्क एवं प्रमाण प्रस्तुत कीजिये। **(15)**